Teacher's Manual

नंदिनी

(हिंदी पाठ्य-पुस्तक)

कक्षा-6

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

विषय-सूची

1.	स्वागत	3
2.	ईदगाह	4
3.	पर्यावरण और वन	7
4.	उपहार	9
5.	फूल और काँटा	12
6.	जीवन दो दिन का	14
7.	संसार पुस्तक है	17
8.	दोहे	19
9.	माँ का बलिदान	21
10.	तमिलनाडु	24
11.	राखी का मूल्य	27
12.	भारत के बच्चे	30
13.	अब्दुल कलाम	32
14.	झाँसी की रानी	34
15.	काकी	38
16.	मुक्ति	40

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

Sales Office
C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut-250002
Ph. : 0121-2400630, 8899271392

Head Office
A-102 Chander Vihar, Delhi-110092
e-mail : vidyalayaprkashan@yahoo.in

कक्षा -6

1 स्वागत

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) नववर्ष का (ख) (अ) सुखद

2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ**– कवि नववर्ष का स्वागत करते हुए उससे कह रहे है कि इस धरती के प्रत्येक कण में तुम नई चेतना और नई उमंगें भर दो।

(ख) **भावार्थ**– यदि मनुष्य साहस (हिम्मत) से सदा अपने कार्य करता रहे तो उसका सारा जीवन मंगलमय होगा।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) नववर्ष का स्वागत धरती पर किया जा रहा है।

(ख) कवि ने कण-कण में नई चेतना तथा नई उमंगें भरने की बात कही है।

(ग) कवि ने पुरानी बातें भूलने के लिए कहा है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि के अनुसार जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें पुरानी बातों को भूलना चाहिए।

(ख) ऐसा भाव जगे मन-मन में' इस पंक्ति में कवि यह भाव जगाने की बात कर रहे हैं कि प्रत्येक व्यक्ति पुरानी बातों को भूलकर खुशी से आगे की ओर बढ़ते हुए नववर्ष का स्वागत करे तथा अपनी जिंदगी की राह में आने वाली परेशानियों से हार नहीं माने।

(ग) कवि जनजीवन के लिए कामना करते हैं कि सबका जीवन मंगलमय हो और सबका जीवन सदा खुशियों और सुखों से भरा हुआ हो।

(घ) कवि ने नववर्ष का स्वागत बहुत ही खुशियों से और प्यार भरी उमंगों से किया है।

व्याकरण-ज्ञान

1. भूलें-झूलें, सहारा-सारा, धारा-प्यारा

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

आँगन – आँ + ग् + अ + न् + अ

प्यारा– प् + य् + आ + र् + आ

स्वागत– स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ

धरती – ध् + अ + र् + अ + त् + ई

वर्ष– व + अ + र् + ष् + अ

चेतना– च् + ए + त् + अ + न् + आ

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

धरती–	भूमि	धरा
जीवन –	जिंदगी	प्राण
आँगन–	प्राँगण	अहाता
सुख –	हर्ष	आनंद

2 ईदगाह

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) तीस दिन (ख) (ब) पंद्रह पैसे (ग) (ब) चिमटा

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) लालिमा (ख) आशा (ग) मिठाइयों

(घ) क्रोध, स्नेह (ङ) दुआएँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) ईद के दिन बच्चे खुश थे क्योंकि उन सबको मेला घूमने जाने के लिए पैसे मिले थे।

(ख) हामिद प्रसन्न था क्योंकि उसे लगता है कि उसके अब्बाजान रुपए कमाने गए हैं तथा अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत-सी चीज़ें लाने गई हैं।

(ग) अमीना रो रही थी क्योंकि ईद के दिन उसके घर में अनाज का एक दाना तक नहीं था।

(घ) मिठाइयों की दुकानों पर किसी ने रेवड़ियाँ लीं, किसी ने गुलाबजामुन और किसी ने सोहन हलवा लिया।

(ङ) हामिद ने दादी के लिए चिमटा खरीदा क्योंकि दादी के पास चिमटा नहीं था। वह तवे से रोटियाँ उतारती थीं तो उनका हाथ जल जाता था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) हामिद अपनी दादी के साथ रहता था। उसके पिता गत वर्ष हैज़े की भेंट हो गए थे और माँ न जाने क्यों पीली होती-होती एक दिन मर गई थी।

(ख) हामिद के मेले जाने की बात से अमीना परेशान हो रही थी क्योंकि गाँव के सभी बच्चे अपने माता-पिता के साथ जा रहे थे। परंतु हामिद का अमीना के अलावा कोई नहीं था। उसे डर था कि भीड़ में हामिद कहीं खो न जाए। हामिद के पास जूते भी नहीं थे तो अमीना को यह भी डर था कि हामिद इतनी दूर तक कैसे चलेगा और उसके पैरों में छाले ना पड़ जाएँ।

(ग) शहर में सड़क के दोनों ओर अमीरों के बगीचे थे। बड़ी-बड़ी इमारतें– अदालत, कॉलेज, क्लब-घर आदि दिखाई दिए। हलवाइयों की दुकानें मिठाइयों से सजी हुई थीं तथा धीरे-धीरे बस्ती घनी होने लगी। एक-से-एक भड़कीले वस्त्र पहने हुए ईदगाह जानेवालों की टोलियाँ नज़र आ रही थीं।

(घ) हामिद के हाथ में चिमटा देखकर अमीना इसलिए चौंक गई क्योंकि उसे लगा कि सुबह से दोपहर हो गई पर हामिद ने मेले में ना कुछ खाया और ना ही कुछ पिया, केवल एक चिमटा ही खरीदकर लाया है।

(ङ) हामिद का त्याग, सद्भाव और विवेक देखकर अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया। उसे लगा कि दूसरे बच्चों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर हामिद का मन भी बहुत ललचाया होगा परंतु उस समय भी उसे अपनी दादी याद आई और उसने अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदा।

(च) हामिद ने मेले में अपने लिए कुछ भी नहीं खरीदा और न ही कुछ खाया। उसने अपने पैसों से केवल अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदा ताकि

उनकी उँगलियाँ न जलें। यह सब सोचकर अमीना का दिल खुशी से भर गया तथा उसने हामिद को दुआएँ दीं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) **दिल कचोटना**–दुखी होना–बच्चे को रोता देखकर माँ का दिल कचोट रहा था।

(ख) **कलेजा मजबूत करना**–हिम्मत करना–माता-पिता ने अपना कलेजा मजबूत करके बेटे को विदेश पढ़ने के लिए भेजा।

(ग) **छाती पीटना**–मातम मनाना–राम के वन जाते ही राजा दशरथ छाती पीटने लगे।

(घ) **गद्गद् होना**–बहुत अधिक खुश होना–बेटे का परीक्षा परिणाम देखकर रेखा का मन गद्गद् हो गया।

(ङ) **दामन फैलाना**–आँचल फैलाना–मोहन की माँ ने गाँववालों से दामन फैलाकर अपने बेटे के इलाज के लिए पैसे माँगे।

2. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी समानार्थी शब्द लिखिए–

रोजा–उपवास, **सहसा**–अचानक **दुआ**–आशीर्वाद **रहस्य**–गोपनीय

3. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों को उचित शीर्षक के नीचे लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
महमूद	लड़के, बुढ़िया	हरियाली
ईदगाह	गाँव	स्नेह
हामिद	दादी	क्रोध
अमीना	शहर	
ईद	हलवाई	
गुलाबजामुन	मिठाई	
मोहसिन	इमारत	
चिमटा	खिलौने	

3 पर्यावरण और वन

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) पर्यावरण पर (ख) (अ) पेड़-पौधों को

(ग) (ब) चिपको आंदोलन

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) वनों (ख) सांस्कृतिक (ग) अंधाधुंध

(घ) अनियमितता (ङ) निधि

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) हमारे चारों ओर का प्राकृतिक आवरण जो हमें सरलतापूर्वक जीवनयापन करने में सहायक होता है, पर्यावरण कहलाता है।

(ख) वनों को धरती के फेफड़े भी कहा जाता है, क्योंकि यही वन जीवों के लिए जीवनदायिनी ऑक्सीजन देते हैं।

(ग) प्राचीनकाल में विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा के लिए गुरुकुल की स्थापना की जाती थी।

(घ) पीपल, बरगद, केला, बेल, तुलसी इत्यादि।

(ङ) गौरा देवी तथा सुंदरलाल बहुगुणा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) पर्यावरण के अंतर्गत पेड़-पौधे, जल, थल, नभ, वायु और मिट्टी आदि आते हैं। पर्यावरण ने हमें वायु, जल, खाद्य पदार्थ, अनुकूल वातावरण आदि उपहार स्वरूप भेंट दिया है। अतः मनुष्य अपनी सभी ज़रूरतों के लिए पर्यावरण पर ही निर्भर रहता है तथा पर्यावरण की स्वच्छ उपस्थिति ही सभी जीवों के अस्तित्व का आधार है।

(ख) हमें वृक्षों की रक्षा करनी चाहिए क्योंकि वृक्षों का कम होना मानव शरीर और उसके स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। वनों की कटती संख्या से

सभी ऋतुएँ प्रभावित होती हैं और जीवों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

(ग) वृक्षों की कमी से मनुष्य और जीव-जंतु तरह-तरह की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। वनों के कटने से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और प्रदूषण जैसे संकट सामने आ रहे हैं। इन सबसे वर्षा प्रभावित हो रही है, ऋतुओं में अनियमितता आ रही है, धरती का तापमान बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमी हुई बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बहुत बढ़ रहा है।

(घ) चिपको आंदोलन 26 मार्च, 1974 को किया गया तथा यह आंदोलन पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए किया गया।

(ङ) वनों को संरक्षित करने के लिए हमें निम्नलिखित प्रयास करने चाहिए–

1. समाज और सरकार को मिलकर वृक्षारोपण संस्कृति का विकास करना होगा।
2. भारत सरकार वनों की घटती आबादी को स्थिर करने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है, जिसमें लोगों को सामाजिक वृक्षारोपण करके तरह-तरह के वृक्ष लगाने को प्रेरित किया जाता है।
3. विद्यालयों, सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थानों को वृक्षारोपण अभियान के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए जिससे लोगों में अधिक संख्या में वृक्ष लगाने की प्रवृत्ति विकसित हो सके क्योंकि अंततः वृक्षारोपण से मृदा अपरदन रोका जा सकता है।
4. हमें वृक्षारोपण के लिए उन पेड़ों का चयन करना चाहिए जो ज़्यादा ऑक्सीजन देते हैं और कार्बन-डाईऑक्साइड को अवशोषित करते हैं।

व्याकरण–ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

पर्यावरण–परि + आवरण	वृक्षारोपण–वृक्ष + रोपण
स्वार्थ–स्व + अर्थ	संकट–सम् + कट
स्वच्छ–सु + अच्छ	संभव–सम् + भव

2. निम्नलिखित शब्दो के उचित विलोम शब्द लिखिए–

प्रतिकूल–अनुकूल	प्राकृतिक–कृत्रिम
उपस्थिति–अनुपस्थिति	भयानक–मनभावन

निजी–सार्वजनिक　　　　　　विरोध–समर्थन

3. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–

(क) अद्‌वितीय　　　　　　(ख) अहिंसक

(ग) पूजनीय　　　　　　(घ) जीवनदायिनी

(ङ) अभूतपूर्व

4. 'सांस्कृतिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। इसी प्रकार, 'इक' प्रत्यय का प्रयोग करके पाँच शब्द लिखिए।

धार्मिक　　　　आर्थिक　　　　राजनीतिक

ऐतिहासिक　　　　दैनिक

5. 'र' रेफ (ि) और 'र' पदेन (्र, ‸) की मात्रा वाले पाँच-पाँच शब्द लिखिए

'र' रेफ (ि) वाले शब्द	'र' पदेन (्र , ‸) वाले शब्द
(क) कर्म	(क) क्रम
(ख) धर्म	(ख) प्रयोग
(ग) अनर्थ	(ग) प्रणाम
(घ) पर्यावरण	(घ) ट्रक
(ङ) सार्थक	(ङ) ट्रंक

4 उपहार

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) अंकल का

(ख) (ब) वाइल्ड कनारी

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) शेरोज़ा　　　　(ख) प्रबंध　　　　(ग) दिलचस्पी

(घ) साँसें　　　　(ङ) उपहार

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) शेरोज़ा के अंकल ने उसे जन्मदिन पर चिड़िया पकड़ने वाला एक लकड़ी का पिंजरा उपहार में दिया।

(ख) शेरोज़ा ने पिंजरे को घर के आँगन में रखा तथा उसने चिड़िया के लिए उसमें कुछ दाने बिखेर दिए।

(ग) शेरोज़ा की उपस्थिति के कारण पिंजरे में कोई चिड़िया नहीं आ रही थी।

(घ) माँ ने शेरोज़ा के हाथ में चिड़िया देखकर सलाह दी कि इसे बिलकुल परेशान मत करना। बेहतर होगा, कि इसे आज़ाद कर दो।

(ङ) तीसरे दिन पिंजरा बेहद गंदा हो चुका था। उसमें रखा पानी भी पुराना हो चुका था।

(च) पिंजरे का दरवाज़ा खुला देख चिड़िया अत्यंत खुश थी और पंख फैलाकर आँगन में इधर-उधर फुदकने लगी थी।

(छ) चिड़िया की मौत होना ही शेरोज़ा के लिए बहुत बड़ा सदमा था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) अंकल के दिए उपहार को देखकर शेरोज़ा बहुत खुश हुआ। उसे यह उपहार सुंदर और बढ़िया लगा। परंतु जब उसने अपनी माँ को अपना उपहार दिखाया, जो कि एक पिंजरा था, तो उसकी माँ हैरान हो गईं और उन्होंने शेरोज़ा से कहा कि यह कोई खेलने की चीज़ नहीं है।

(ख) तुम चिड़िया की देखभाल नहीं कर सकते। माँ ने शेरोज़ा से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि शेरोज़ा ने पहले दो दिन तो चिड़िया की अच्छे से देखभाल की लेकिन तीसरे दिन से उसकी चिड़िया में दिलचस्पी कम हो गयी। पिंजरा बेहद गंदा हो चुका था तथा उसमें रखा पानी भी पुराना हो चुका था।

(ग) शेरोज़ा ने जब देखा कि चिड़िया की साँसें तेज-तेज चल रही हैं और वह बिलकुल अधमरी हो गयी है। उसने अपनी माँ को बुलाकर दिखाया।
इसी कारण शेरोज़ा के हाथ-पैर फूल गए थे, क्योंकि उसे आभास हो चुका था कि जरूर कुछ बुरा हुआ है।

(घ) चिड़िया की मौत से शेरोज़ा को यह सबक मिला कि कभी भी किसी पक्षी को कैद करके नहीं रखना चाहिए क्योंकि उन्हें खुले वातावरण में रहना ही पसंद होता है। पिंजरे में कैद होकर वह अपना जीवन खुशी से नहीं

जी पाते और पक्षियों को बहुत ज्यादा प्यार तथा देखरेख की आवश्यकता होती है। शेरोज़ा ने चिड़िया की देखभाल अच्छे से नहीं की तभी उसकी मृत्यु हो गई।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त हुई संज्ञा को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद बताइए :

संज्ञा	भेद
(क) शेरोज़ा, उपहार	व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
(ख) चिड़िया	जातिवाचक संज्ञा
(ग) वाइल्ड कनारी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
(घ) माँ, नाराजगी	जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा
(ङ) पिंजरा	जातिवाचक संज्ञा

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) उपहार– उ + प् + अ + ह् + आ + र् + अ

(ख) सुंदर– स् + उ + न् + द् + अ + र् + अ

(ग) उपस्थिति– उ + प् + अ + स् + थ् + इ + त् + इ

(घ) प्रबंध–प् + र् + अ + ब् + अं + ध् + अ

(ङ) संघर्ष–स् + अ + ङ् + घ् + अ + र् + ष + अ

3. पाठ में प्रयुक्त हुए शब्द 'पिंजरा, प्रबंध, संघर्ष' में अनुस्वार (ं) प्रयोग हुआ हैं तथा 'माँ' शब्द में अनुनासिक (ँ) का प्रयोग हुआ है। इसी प्रकार अनुस्वार (ं) तथा अनुनासिक (ँ) का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

अनुस्वार (ं) वाले पाँच शब्द–कंगन, रंग, अंदर, बंदर, सुंदर।

अनुनासिक (ँ) वाले पाँच शब्द–साँप, आँख, चाँद, धुआँ, बाँस।

4. पाठ में से इसी प्रकार के पाँच वाक्य ढूँढ़कर लिखिए जिसमें कि विशेषण तथा विशेष्य का प्रयोग किया गया हो।

(क) किसी ने उसे खूबसूरत पेंटिंग्स दीं।

(ख) मैं सुंदर-सुंदर चिड़ियों को पकड़कर इसमें रखूँगा।

(ग) नन्हीं चिड़िया बुरी तरह फड़फड़ा रही थी।

(घ) शेरोज़ा रसोईघर से कुछ दाने ले आया।

(ङ) चिड़िया अपनी अंतिम साँसे गिन रही है।

5 फूल और काँटा

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) चाँद (ख) (स) (अ) व (ब) दोनों

(ग) (अ) फूल (घ) (स) खानदान

2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ**– बादल, फूल और काँटे, दोनों पर एक समान रूप से जल बरसाते हैं। हवा भी उन दोनों पर एक समान रूप से बहती है। एक जैसी परिस्थिति में पलकर भी फूल और काँटे का स्वभाव एक जैसा न होकर एकदम भिन्न होता है।

(ख) **भावार्थ**–अपने व्यवहार के कारण काँटा सभी की आँखों में खटकता है जबकि फूलों को देवताओं के शीश पर चढ़ाया जाता है। यदि हमारे काम अच्छे न हों तो हमारा उच्च कुल में जन्म लेना भी किसी काम का नहीं है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) फूल और काँटे पर एक समान रूप से बादल बरसते हैं और हवा बहती है।

(ख) काँटों द्वारा उँगलियों को छेदने एवं कपड़ों को फाड़ने से उनके व्यवहार के बारे में यह पता चलता है कि वे किसी को भी दुख देने में हिचकते नहीं है।

(ग) फूल खुशी और प्रसन्नता का प्रतीक है जबकि काँटा दुख का प्रतीक है। दोनों के स्वभाव में यह अतंर पाया जाता है कि फूल सबके मन को खुशी प्रदान करता है तथा काँटा सबके मन को दुख और तकलीफ देता है।

(घ) फूल अपनी सुगंध से और रंगों की निराली छटा से कली का दिल खिला देता है।

(ङ) कुल की बड़ाई तब काम नहीं देती जब खुद व्यक्ति में बड़प्पन की कमी होती हैं। जैसे फूल और काँटे समान परिवेश में रहते हुए भी समान आदर नहीं पाते, वे अपने गुणों के कारण ही लोगों में प्रेम व घृणा के पात्र बनते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं। इन्हें एक ही पौधा पालता है। रात में चाँद भी समान रूप से दोनों पर प्रकाश डालता है। वर्षा तथा हवाएँ भी दोनों को समान रूप से प्राप्त होती हैं।

(ख) 'फूल और काँटे' कविता में फूल हमें संदेश देते हैं कि हमें अपनी महत्ता एवं बड़प्पन का सदैव ध्यान रखते हुए कार्यरत रहना चाहिए तथा दूसरों के काम आना चाहिए।

(ग) प्रकृति ने फूल के साथ काँटे भी बनाये क्योंकि अच्छाई के साथ बुराई का होना भी जरूरी है।

(घ) 'फूल और काँटे' कविता में कवि ने फूल और काँटे का तुलनात्मक वर्णन करते हुए उनके स्वभाव में भिन्नता प्रकट की है। कवि के अनुसार फूल और काँटा एक स्थान से उत्पन्न होते हैं तथा एक साथ बढ़ते हैं। एक जैसी हवा, बारिश, धूप उनको लगती है फिर भी दोनों का स्वभाव बहुत भिन्न है। एक (काँटा) अपनी बुराई दिखाता है तथा दूसरा (फूल) अपनी अच्छाई प्रकट करता है।

काँटा सबके हाथों को छेदता है, वस्त्र फाड़ता है, तितलियों तथा भँवरों के शरीर को बेंधता है परंतु फूल सब को अपनी महक तथा सुंगध से प्रसन्न करता है। कवि कहते हैं कि अच्छे कुल में जन्म लेने का क्या फायदा अगर आप में बड़प्पन नहीं है। अपने गुणों के कारण ही कोई सम्मान प्राप्त करता है, परिवार के कारण नहीं।

व्याकरण–ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

(क) चंद्र	शशि	राकेश
(ख) पुष्प	कुसुम	प्रसून

(ग) भ्रमर भँवरा मधुप

(घ) शरीर देह काया

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

मृत्यु श्वेत असुर

घृणा दुर्गंध फूल

3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव/तत्सम रूप लिखिए–

(क) आप (ख) भ्रमर

(ग) रात्रि (घ) पुष्प

(ङ) चंद्र

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) व अनुनासिक (ँ) चिह्न का प्रयोग कीजिए–

(क) काँटा (ख) ढंग

(ग) आँख (घ) चाँदनी

(ङ) सुगंध (च) हवाएँ

5. कविता में आए लययुक्त शब्दों के जोड़े लिखिए।

पालता-डालता, बही-नहीं, वसन-तन, पिला-खिला, पर-कसर।

6 जीवन दो दिन का

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) सिरफिरा (ख) (स) सात दिन

(ग) (स) संतों जैसा गैटअप

2. सही कथन के समाने 'सत्य' और गलत के सामने 'असत्य' लिखिए–

(क) असत्य (ख) असत्य

(ग) सत्य (घ) असत्य

(ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) कुछ लोग लेखक को सिरफिरा समझ रहे थे क्योंकि शहर में एक नामी संत के प्रवचन का आयोजन चल रहा था और लेखक अपने घर में ही पड़ा रहता था।

(ख) संत ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन किया कि यह जीवन दो दिन का है।

(ग) पहले सज्जन ने जीवन को दो दिन का मानने की बात कही।

(घ) पहले सज्जन के अनुसार संतों की बातें नहीं मानने पर उनके भक्त हमारे घर में तोड़-फोड़ कर देंगे और यदि उनको ज्यादा गुस्सा आ गया, तो हमारी हत्या भी कर सकते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लेखक को संत की अपेक्षा पास में बैठे हुए सज्जन की बातें अधिक प्रभावशाली लग रही थीं क्योंकि उन सज्जन का कहना था कि जीवन तो कहने के लिए दो दिन का होता है, मानने के लिए नहीं। हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश तो जिंदगी में लगा ही रहता है। सब लोग प्रवचन सुनने के लिए ही आते हैं। यदि सब उन बातों पर अमल करेंगे, फिर तो सभी संत नहीं हो जाएँगे।

(ख) लेखक ने बड़े संत की परिभाषा यह दी है कि उनके लंबी दाढ़ी होती है। वह सिर्फ धोती ही पहनते हैं और नंगे बदन रहते हैं। बहुत-सी साध्वियाँ उनके साथ-साथ चलती हैं। वह हवाई जहाज से यात्रा करते हैं और उनके फोटो महलों से शौचालय तक लगे रहते हैं। बड़े-बड़े नेता भी उनसे आशीर्वाद लेने आते हैं और उनके बड़े-बड़े आश्रम हैं।

(ग) इस पंक्ति का आशय है कि प्रत्येक माह की पहली तारीख या पहले दिन उस सज्जन की तनख्वाह आती है तथा जो कि सारे खर्चे पूरे करके महीने की शुरुआत के छह-सात दिन तक ही चल पाती है। इस तरह, उसके बाद उन्हें सारा महीना बहुत मुश्किलों से बिताना पड़ता है।

(घ) ''जीवन जितने अधिक दिनों का बताएँगे, मेरे लिए तो उतना ही अच्छा है।'' दूसरे सज्जन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि इन संत-महात्माओं के प्रवचन कार्यक्रमों के आयोजन में टेंट तथा दरी-गद्दों का ठेका उसी के पास था। उसके अनुसार जितने अधिक दिन तक ये आयोजन चलेंगे

उतना ही उसके लिए अच्छा होगा क्योंकि इससे उसकी अधिक कमाई होगी।

(ङ) दूसरे सज्जन के अनुसार प्रवचन सुनने कुछ ऐसे लोग आए हुए थे, जिनको अपना जीवन पारिवारिक कलह, ज़मीन-जायदाद के झगड़ों, शारीरिक कष्ट, संतान के भविष्य की चिंता, बेटे-बहुओं के दुराचरण तथा अनेक कठिनाइयों से एक दिन का भी भारी लग रहा था।

(च) लेखक यह सोचकर घर वापस आ गये कि जब जीवन के बारे में अलग-अलग मत हैं, तो अपना जीवन किसी अच्छे काम में ही क्यों न लगाए क्योंकि उसके हिसाब से तो जीवन का कोई भरोसा नहीं कि वह कितने दिन का हो।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'त्र, ज्ञ और श्र' संयुक्त व्यंजन हैं, इनसे निर्मित तीन-तीन शब्द लिखिए।

त्र – पत्र, त्रिशूल, पुत्र

ज्ञ – विज्ञान, ज्ञानी, ज्ञात

श्र – श्रम, परिश्रम, विश्राम

2. निम्नलिखित वाक्यों में है/हैं/हूँ का सही प्रयोग कीजिए–

(क) वह गलत कह रहे **हैं**।

(ख) मैं अपने घर पर ही पड़ा रहता **हूँ।**

(ग) संत तो संत ही होता **है।**

(घ) दूसरे संत तो साधारण कपड़े ही पहनते **हैं।**

(ङ) यश-अपयश तो जिंदगी में लगा ही रहता **है।**

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

(क) क्या जीवन वास्तव में दो दिन का ही है?

(ख) हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश तो ज़िंदगी में लगा ही रहता है।

(ग) वाह! ऐसे कैसे बड़ा-छोटा नहीं होता है।

(घ) ''दूसरे संत दो दिन का मेला क्यों बताते हैं?'' मैंने फिर पूछा।

(ङ) वह बोले, ''हाँ, जब यह कह रहे हैं तो दो दिन का ही होगा।''

7 संसार पुस्तक है

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) इलाहाबाद (ख) (अ) लाखों-करोड़ों वर्ष

(ग) (ब) उसके अक्षर

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) टापू (ख) आदमियों

(ग) प्रकृति (घ) घरौंदे

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) जवाहर लाल नेहरू अपनी पुत्री इंदिरा को पत्रों के माध्यम से देश और दुनिया की जानकारी देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने अपनी पुत्री को पत्र लिखा।

(ख) लेखक के अनुसार लाखों-करोड़ों साल पहले धरती पर कोई आदमी न था। आदमियों से पहले सिर्फ जानवर थे और जानवरों से पहले एक ऐसा समय था जब इस धरती पर कोई जानदार चीज न थी।

(ग) पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियाँ और इसी तरह ही और भी बहुत सारी चीज़ें हैं, जिनसे हमें दुनिया का पुराना हाल मालूम हो सकता है।

(घ) गोल, चमकीला रोड़ा पहले ऐसा नहीं था। पहले वह चट्टान का टूटा हुआ नुकीला खुरदरा टुकड़ा था। बारिश के पानी में बहकर वह छोटी घाटी तक आया। पानी के साथ निरंतर ढकेले जाने के कारण उसके कोने घिसकर गोल और चमकदार बन गए।

(ङ) लेखक ने संसार रूपी पुस्तक प्रकृति के अक्षरों, जैसे कि पत्थर, नदियाँ, पहाड़ों को कहा है क्योंकि ये हमें संसार के बारे में जानकारी देते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) यह धरती लाखों-करोड़ों साल पुरानी है। पहले यह धरती बहुत गर्म हुआ करती थी। धरती पर पहले किसी भी प्रकार के जीवन की कोई भी संभावना नहीं थी। धीरे-धीरे जब यह धरती ठंडी हुई, तब यहाँ जानवरों का जन्म हुआ। जानवरों के जन्म के कई हजार सालों बाद, यहाँ मानव-जाति का जन्म हुआ। इतिहासकारों के अनुसार इस धरती पर सबसे पहले पेड़-पौधे, फिर जानवर और अंत में मानव जाति रहने लगे।

(ख) लेखक अपनी पुत्री से यह आशा करते हैं कि वह संसार में फैले अक्षरों को पहचानेगी भी और केवल किताब में छपे इतिहास को ही नहीं बल्कि अन्य इतिहास को भी पढ़ेगी। वह अपनी पुत्री से यह आशा भी करते हैं कि उनकी पुत्री उनकी तरह आस-पास की चीज़ें देखे और अपनी समझ को बढ़ाए।

(ग) लेखक ने पत्थरों और पहाड़ों को गौर से देखने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि पत्थर और पहाड़ों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेखक चाहते हैं कि उनकी पुत्री भी अन्य लोगों की तरह यह संसार रूपी किताब पढ़कर विद्वान बन जाए।

(घ) लेखक ने अपनी पुत्री को रोड़े का उदाहरण इसलिए दिया है क्योंकि वह उसे समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि इस पृथ्वी पर प्रत्येक चीज होने की एक वजह होती है। यदि मनुष्य उस वजह को समझ जाएगा, तो वह उस पृथ्वी के अनसुलझे रहस्य को सुलझा लेगा।

व्याकरण–ज्ञान

1. नीचे दिए गए शब्दों के साथ उचित प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए–

चमक–चमकीला	संसार–सांसारिक
पत्थर–पथरीला	प्रकृति–प्राकृतिक
इतिहास–ऐतिहासिक	पहाड़–पहाड़ी

2. नीचे दिए गए योजकों का प्रयोग करके एक-एक वाक्य बनाइए–

(क) मैं और पिताजी सुबह सैर करने जाते हैं।

(ख) बारिश शुरू ही हुई थी कि अचानक बिजली भी चली गई।

(ग) वह बीमार है इसलिए परीक्षा नहीं दे पाएगा।

(घ) रमेश ने सुरेश को अपने जन्मदिन पर बुलाया लेकिन वह नहीं आया।

(ङ) गरीब मजदूर रो रहा है क्योंकि उसके रुपये चोरी हो गए हैं।

3. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए दो-दो उचित विशेषण लिखिए–

विशेष्य	**विशेषण**
कथाएँ	मनोरंजक, प्राचीन
देश	असभ्य, विकसित
दरिया	गहरा, प्राकृतिक
पहाड़	बर्फीले, ऊँचे
समुद्र	गहरा, नीला

8 दोहे

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) ईश्वर (ख) (अ) परिश्रम

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्रत्येक व्यक्ति को कटु वचन का त्याग इसलिए कर देना चाहिए क्योंकि कड़ुवे बोलकर तीर की भाँति चुभते हैं। कोई ऐसे वचनों को सुनना पसंद नहीं करता और मीठी वाणी बोलने से चारों ओर सुख फैलता है। मीठी बोली बोलकर हम किसी को भी अपना प्रिय बना सकते हैं।

(ख) माली के द्वारा लगातार पेड़ों को सींचने पर भी फल नहीं आते क्योंकि हर चीज का सही समय होता है। प्रत्येक काम को सही समय पर करना चाहिए। अगर कोई कोशिश उचित समय पर नहीं की जाए तो वह कोशिश नाकाम ही रहेगी अर्थात सही ऋतु आने पर ही पेड़ों पर फल आएँगे।

(ग) उत्तम प्रकृति वालों पर कुसंगति का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता अर्थात बुरी संगति भी उन्हें नहीं बिगाड़ पाती।

(घ) रहीम के अनुसार ऐसे लोग धन्य हैं जो सदा दूसरों का उपकार करते हैं और उनका भला करते हैं।

(ङ) जो लोग समय पर काम नहीं करते वे जिंदगीभर पछताते हैं क्योंकि जब ऐसे लोग सही समय का लाभ उठाने से चूक जाते हैं तो उन्हें बहुत दुख होता है।

3. निम्नलिखित दोहों के भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ–** कबीर दास जी कहते हैं अभी राम नाम की लूट मची है, अभी तुम भगवान का जितना नाम लेना चाहो ले लो। नहीं तो समय निकल जाने पर पछताओगे अर्थात मर जाने के बाद पछताओगे कि हमने समय पर भगवान का नाम क्यों नहीं लिया।

(ख) **भावार्थ–** रहीमदास जी कहते हैं कि जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं, उनको बुरी संगति भी नहीं बिगाड़ सकती। जिस प्रकार जहरीले साँप सुगंधित चंदन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई जहरीला प्रभाव नहीं डाल पाते।

(ग) **भावार्थ–** रहीम दास जी कहते हैं कि अपने मन के दुख को मन के भीतर छिपाकर ही रखना चाहिए। दूसरे का दुख सुनकर लोग सिर्फ उसका मजाक बनाते हैं परंतु दुख कोई नहीं बाँटता।

व्याकरण–ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए–

प्राण–साँस, श्वास	परिहरू–त्यागने वाला
जाहिं–जाएँगे	स्रवन–सुनना
सहाय–सहायक	व्याप्त–चारों ओर फैला हुआ
निबल–कमजोर, निर्बल	बिथा–व्यथा
चतुरन–चतुर, बुद्धिमान	गोय–छिपाना

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

(क) हवा	वायु	समीर
(ख) अग्नि	पावक	अनल
(ग) बाण	विशिख	शर
(घ) देह	काया	तन

(ङ) ज़हर हलाहल माहुर

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

निर्बल–सबल मधुर–कर्कश/कटु

परिश्रम–आलस्य कुसंगति–सुसंगति

सुख–दुख लाभ–हानि

9 माँ का बलिदान

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) विक्रमाजीत

(ख) (ब) पन्ना को

(ग) (स) पन्ना के पुत्र चंदन की

2. सही कथन के सामने 'सत्य' तथा गलत के समाने 'असत्य' लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) राजा विक्रमाजीत का शासन अच्छा नहीं था। चारों ओर अराजकता फैली हुई थी तथा प्रजा को अनेक प्रकार के कष्ट थे, इसलिए उन्हें राजा के पद से हटा दिया गया।

(ख) चित्तौड़ के प्रमुख सरदारों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने आपस में विचार-विमर्श करके बनवीर नाम के एक सरदार को राज-काज की देखभाल करने के लिए नियुक्त किया क्योंकि राणा सांगा का पुत्र बहुत छोटा होने के कारण राज-काज संभालने योग्य नहीं था।

(ग) 'बनवीर की अक्ल पर पत्थर पड़ गए।' ऐसा इसलिए कहा गया क्योंकि राज्य के लोभ के कारण वह अपना कर्तव्य भूलकर उदयसिंह को मारकर राज्य हड़पने की ताक में रहने लगा था।

(घ) जब पन्ना को पता लगा कि बनवीर ने राजा विक्रमादित्य की हत्या कर दी है तब उसे विश्वास हो गया कि बनवीर उदयसिंह को भी नहीं छोड़ेगा। पलंग पर सोते हुए उदयसिंह को बचाने के लिए पन्ना ने उसे अपने सेवक के हाथों महल से बाहर भिजवा दिया तथा उसकी जगह अपने बेटे चंदन को लिटा दिया।

(ङ) जब उदयसिंह ने बड़े होकर चित्तौड़ की राजगद्दी संभाली, तब चित्तौड़वासियों को पता चला कि बनवीर ने उदयसिंह की नहीं, बल्कि पन्ना के पुत्र की हत्या की थी तो सभी ने पन्ना की प्रशंसा की।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) राणा सांगा के पुत्र का नाम उदयसिंह था। उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र को राज्य का शासक नहीं बनाया गया क्योंकि अभी वह बालक था तथा राज-काज का काम संभालने योग्य नहीं था।

(ख) पन्ना उदयसिंह की धाय थी उदयसिंह के पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी तथा उसकी माँ ने भी मरते समय अपने पुत्र की जिम्मेदारी पन्ना को सौंप दी थी। पन्ना ने महारानी को वचन दिया था कि वह कुँवर उदयसिंह की जीवन-रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में कभी नहीं हिचकेगी।

(ग) पन्ना बनवीर को फूटी आँख नहीं सुहाती थी क्योंकि वह साये की भाँति हर समय उदयसिंह के साथ रहती थी। बनवीर जानता था कि पन्ना के रहते वह उदयसिंह का बाल भी बाँका नहीं कर सकता।

(घ) जब पन्ना को पता लगा कि बनवीर ने राजा विक्रमादित्य की हत्या कर दी है तब उसे विश्वास हो गया कि दुष्ट बनवीर कुँवर उदयसिंह को भी नहीं छोड़ेगा। पन्ना ने मन-ही-मन एक कार्य योजना बनाकर अपने सेवक कीरत को बुलाया तथा सोते हुए उदयसिंह को उसके हाथों महल के गुप्त द्वारा से बाहर निकलवा दिया ताकि उदयसिंह की जान बचाई जा सके तथा वह उदयसिंह की माँ को दिए हुए वचन को निभा सके।

(ङ) बनवीर ने पन्ना के पुत्र चंदन की हत्या की। इस घटना से एक माँ का बलिदान प्रतीत होता है कि एक माँ ने अन्य माँ के पुत्र की रक्षा करने का वचन निभाते हुए अपने पुत्र का बलिदान कर दिया अर्थात पन्ना ने कुँवर उदयसिंह को बचाने के लिए अपने पुत्र की हत्या करवा दी।

व्याकरण-ज्ञान

1. लिंग बदलिए–

राजा–रानी	महारानी–महाराजा
भाई–बहन	सेवक–सेविका
पुत्र–पुत्री	माँ–पिता
बालक–बालिका	बेटा–बेटी
वीर–वीरांगना	शासक–शासिका

2. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से बने दो-दो शब्द लिखिए–

त्त–	पत्ता	गत्ता
त्य–	सत्य	हत्या
क्त–	वक्त	पंक्ति
ष्ट–	कष्ट	नष्ट
न्न–	गन्ना	अठन्नी
द्द–	रद्द	गद्दा
द्ध–	युद्ध	वृद्ध

3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) बुद्धि नष्ट होना– जब किसी व्यक्ति की अक्ल पर पत्थर पड़ जाते हैं तो वह गलत निर्णय लेने लग जाता है।

(ख) मौका ढूँढ़ते रहना– परीक्षा के दौरान कुछ विद्यार्थी इसी ताक में रहते हैं कि शिक्षक की नजर हटे तो वे नकल करें।

(ग) वश में करना– सुजाता ने अपने पति को पूरी तरह से मुट्ठी में कर रखा है।

(घ) किसी प्रकार का नुकसान न होना– नेहा के दादाजी छत से नीचे गिर गए पर उनका बाल भी बाँका न हुआ।

(ङ) किसी बात पर संदेह होना – सुनीता कुछ दिनों से दफ्तर नहीं आ रही है और ना ही फोन उठा रही है, लगता है दाल में कुछ काला है।

(च) आशंका होना– जब माँ को पता लगा कि कल घर पर बहुत सारे मेहमान आ रहे हैं तो उनका माथा ठनक गया।

4. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण शब्दों को छाँटिए–

(क) एक (ख) अनेक (ग) दो

(घ) क्षत-विक्षत (ङ) सुरक्षित (च) उच्च

(छ) प्रसिद्ध, वीर योद्धा, देशभक्त

10 तमिलनाडु

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) द्रविड़ (ख) (अ) मीनाक्षी मंदिर

(ग) (ग) चेन्नई

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) संस्कृति (ख) मंदिरों का राज्य

(ग) रामेश्वरम् (घ) कोर्टालम

(ङ) स्वामी विवेकानंद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) तमिलनाडु को समृद्ध बनाने में चोल तथा चेर वंश के राजाओं का योगदान रहा है।

(ख) तमिलनाडु के मंदिरों की एक मुख्य विशेषता है–उनसे जुड़े हुए रथ।

(ग) कन्याकुमारी में सूर्योदय का दृश्य देखने योग्य होता है। इसी कारण से यह पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

(घ) तमिलनाडु में कोडईकनाल तथा उद्गममंडलम (ऊटी) दर्शनीय सुंदर पर्वतीय स्थल हैं।

(ङ) इडली, डोसा, सांभर, रसम तमिलनाडु के लोगों का मुख्य आहार है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) तमिलनाडु भारत के दक्षिण में समुद्र का दृश्य, धान के लहलहाते खेत, हरी-भरी नीलगिरी पर्वत की चोटियों वाला राज्य है। यहाँ का इतिहास

और सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। कहीं नारियल व केले के वृक्षों की पंक्तियाँ तो कहीं आम व काजू के बाग, कहीं चाय व कॉफी के बागानों से ढकी पहाड़ियों की कतारें बरबस ही मन मोह लेती हैं। जंगलों, अभयारण्यों तथा उनमें पाए जाने वाले भाँति-भाँति के पेड़-पौधे, पशु-पक्षी लगता है कि जैसे प्रकृति ने मैदानी, समुद्री तथा पर्वतीय विभिन्नता प्रदान कर इस प्रदेश को स्वयं अपने हाथों से सँवारा है।

(ख) तमिलनाडु को मंदिरों का राज्य कहा जाता है क्योंकि यहाँ कई प्राचीन मंदिर और किले बने हुए हैं, जो काफी भव्य और सुंदर शिल्पकलाओं से बनाए गए हैं। मदुरै, कांचीपुरम, मामालापुरम आदि नगर तो अपने विशाल व भव्य मंदिरों के लिए जाने जाते हैं। कांचीपुरम और तंजौर स्थित शिव मंदिर, मदुरै का मीनाक्षी मंदिर, वास्तुकला व मूर्तिकला का अनोखा संगम है।

(ग) तमिलनाडु की मुख्य नदी कावेरी नदी है। यह नदी तमिलनाडु को फसलों की सिंचाई के लिए जल प्रदान करती है तथा वर्षभर हरा-भरा रखती है। इस प्रकार यह नदी यहाँ के लोगों के लिए सहायक है।

(घ) तमिलनाडु के निवासी कलात्मक अभिरुचि के हैं। नृत्य,संगीत तथा कला उनके प्रतिदिन के जीवन का अंग है। इसका मुख्य कारण है कि भारत का यह भाग विदेशियों के आक्रमणों से काफी कुछ बचा रहा। अतएव यहाँ भारतीय संस्कृति सुरक्षित बनी रही। यहाँ के निवासी सरल स्वभाव वाले और सीधे-सादे हैं। घर-घर में लोग कर्नाटक संगीत का अभ्यास करते देखे जा सकते हैं।

(ङ) तमिलनाडु लोकगीतों व नृत्यों की सांस्कृतिक विरासत से संपन्न है। कर्नाटक के संगीत को यहाँ की संगीत-विधा मानते हैं। तमिलनाडु का लोकप्रिय संगीत विल्लुपत्तु है। लोक कलाकार विभिन्न रंगों से अपना चेहरा रंगकर तथा वस्त्र-आभूषणों से सजकर महाभारत की कथा पर आधारित नृत्य-नाटक प्रस्तुत करते हैं, जो दर्शकों को प्रशंसा करने के लिए बाध्य कर देता है।

(च) तमिलनाडु में हिरण, शेर, हाथी आदि पशुओं तथा जलपक्षियों को संरक्षण प्रदान करने के लिए छः अभयारण्य विकसित किए गए हैं। मदुमलाई स्थित अभयारण्य में तो चार सौ से भी अधिक हिरण हैं तथा वेदांथंगल स्थित पक्षी विहार में प्रतिवर्ष बीस से तीस हज़ार पक्षी आ जाते

हैं। इन अभयारण्यों में विभिन्न प्रजाति के वृक्षों को लगाने व संरक्षण का कार्य भी यहाँ की विशेषता है।

(छ) तमिलनाडु में स्वामी विवेकानंद का स्मारक कन्याकुमारी में समुद्र के बीच एक चट्टान पर बना है। स्वामी विवेकानंद ने अमेरीका में धर्मसम्मेलन में भाग लेने के लिए जाने से पूर्व इसी चट्टान पर ध्यान लगाया था। इस कारण यह प्रसिद्ध है।

व्याकरण–ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में से मूल रूप और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए–

मूलरूप	**प्रत्यय**	**मूल रूप**	**प्रत्यय**
प्रकृति +	इक	आकर्ष +	इत
पुराण +	इक	भारत +	ईय
विविध +	ता	संस्कृति +	इक
पर्वत +	ईय	धर्म +	इक
उद्योग +	इक	विदेश +	ई

2. संधि-विच्छेद कीजिए–

स्वर्ग–सु + अर्ग	संरक्षण–सम् + रक्षण
संगीत–सम् + गीत	वैभव–व + ऐभव
सूर्योदय–सूर्य + उदय	अभयारण्य–अभय + अरण्य

3. निम्नलिखित शब्द युग्मों में से विशेषण और विशेष्य अलग-अलग करके लिखिए–

विशेषण	**विशेष्य**
ऊँची-ऊँची	चोटियाँ
प्यारा	राज्य
अद्वितीय	सौंदर्य
एक हज़ार कलात्मक	स्तंभ
धार्मिक	स्थल
उपजाऊ	घाटियाँ
छः	अभयारण्य
दर्शनीय, भव्य	स्मारक

4. निम्नलिखित समास-पदों का समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए–

समास-विग्रह	**समास भेद**
हिम का आलय	तत्पुरुष समास
हर दिन	अव्ययीभाव समास
ऐसा जिसके समान द्वितीय न हो	बहुब्रीहि समास
शत (सौ) वर्षों का समूह	द्विगु समास
सूर्य का उदय	तत्पुरुष समास

11 राखी का मूल्य

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) यूरोपियन तोपखाने का (ख) (ब) हुमायूँ को

(ग) (अ) मेवाड़ की ओर

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) राजपूत (ख) मौत

(ग) जन्मभूमि (घ) भाईचारे, मनुष्यत्व

(ङ) कुर्बानियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) रानी कर्मवती को इस बात का दुख था कि युद्ध में मरकर भी वह मेवाड़ के मान-सम्मान की रक्षा नहीं कर पाएँगी।

(ख) रानी कर्मवती ने दूत को बादशाह हुमायूँ के पास राखी और पत्र देने के लिए भेजा।

(ग) हुमायूँ द्वारा पत्र को पकड़ने पर तातार खाँ ने हुमायूँ के विषय में कहा कि दुश्मन की तारीफ करने में जहाँपनाह से बढ़कर कोई नहीं है।

(घ) हुमायूँ के अनुसार हिंदुस्तान का इतिहास इस बात का गवाह है कि राखी के धागों ने हजारों कुर्बानियाँ कराई हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) रानी कर्मवती के द्वारा पूछने पर बाघसिंह ने युद्ध का हाल बताया कि उनके राजपूत सैनिक वीरता से लड़ रहे हैं, परंतु उनकी संख्या बहुत कम है, और उधर शत्रुओं का यूरोपियन तोपखाना आग उगल रहा है। उसका मुकाबला तलवारों से तो नहीं किया जा सकता। उसके अनुसार उनकी मौत निश्चित है। वे हँसते-हँसते मरेंगे और बहुतों को मारकर मरेंगे।

(ख) जवाहरबाई इसलिए चौंकती हैं क्योंकि रानी कर्मवती हुमायूँ को राखी भेजने की बात करती है; जो कि एक मुसलमान थे। उनकी इस प्रतिक्रिया पर रानी कर्मवती उन्हें जवाब देती हैं कि मुसलमान भी इंसान हैं। उनकी भी बहनें होती हैं। क्या उनके हृदय नहीं हैं? क्या वे मनुष्य नहीं हैं? क्या सिर्फ इसलिए कि वे ईश्वर को खुदा कहते हैं और मंदिर में न जाकर मसजिद में जाते हैं, क्या हमें उनसे घृणा करनी चाहिए? क्या उनको भाई नहीं बनाया जा सकता?

(ग) हुमायूँ ने अपना फौजी डेरा बिहार में गंगातट पर लगा रखा था। दूत से रानी का पत्र पाकर हुमायूँ ने कहा कि बहन कमर्वती से कहना कि वह उनके सगे भाई से बढ़कर है। मेवाड़ की इज़्ज़त हुमायूँ की इज़्ज़त है।

(घ) हुमायूँ ने इस बात को अपनी खुशकिस्मती कहा है कि मेवाड़ की बहादुर रानी ने उसे भाई बनाया है और बहादुरशाह से मेवाड़ की हिफाज़त करने के लिए उसकी मदद चाही है।

(ङ) हुमायूँ ने बहन-भाई के रिश्ते को लेकर प्रतिक्रिया दी है कि बहन का रिश्ता दुनिया के सारे सुखों, दौलतों, ताकतों और सल्तनतों से बढ़कर है। सल्तनत जाए पर वह दुनिया को यह कहते नहीं सुनना चाहता कि मुसलमान, बहन की इज्जत नहीं करना जानते।

व्याकरण–ज्ञान

1. 'त्व' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाइए–

पशुत्व	लघुत्व	गुरुत्व
व्यक्तित्व	मनुष्यत्व	

2. नीचे लिखे विशेषणों के साथ उचित विशेष्य लगाकर लिखिए–

बहादुर–	राजा
पुरानी–	तलवार
शीतल–	जल
छोटे-छोटे–	बच्चे
पवित्र–	नदी
सर्वस्व–	जगत

3. छात्र स्वयं करें।

4. नीचे दी गई भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण किन शब्दों से हुआ है? लिखिए–

मिठास–	मीठा
थकावट–	थकान
बचपन–	बच्चा
मनुष्यता–	मनुष्य
वीरता–	वीर
शत्रुता–	शत्रु

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी के पुराने रूपों के नए रूप लिखिए–

पुराने रूप	**नए रूप**
उद्देश्य	उद्‌देश्य
चित्तौड़	चित्तौड़
युद्ध	युद्‌ध
कट्टरता	कट्‌टरता
बुद्धि	बुद्‌धि
समृद्ध	समृद्‌ध

12 भारत के बच्चे

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) आगे बढ़ते जाने की   (ख) (अ) आशा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) बच्चों को साहस के पुतले कहा गया है।

(ख) बच्चे बाधाओं से नहीं डरने वाले हैं।

(ग) चट्टानें बाधाओं का प्रतीक हैं।

(घ) 'माँ की पूर्ण करेंगे अभिलाषा' कविता की पंक्ति में 'माँ' भारत माता को कहा गया है।

(ङ) भारत माँ की अभिलाषा को पूरा करने के लिए बच्चे अपना सब कुछ न्योछावर कर देंगे।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'हम साहस के पुतले हैं'। कविता की इस पंक्ति का आशय है कि बच्चे बहुत अधिक साहसी हैं। छोटे होने के बावजूद भी बच्चों में बहुत साहस भरा है।

(ख) बच्चे चट्टान रूपी बाधाओं से डटकर लड़ेंगे और उन्हें तोड़-फोड़कर नई राह बनाएँगे।

(ग) बच्चे समाज के दीन-हीन लोग अर्थात जो बहुत गरीब लोग हैं तथा जो अशिक्षित हैं ऐसे लोगों की मदद करना चाहते हैं। बच्चे ऐसे लोगों को समाज के अन्य लोगों के बराबर लाकर उनकी मदद करेंगे।

(घ) कविता में भारत के बच्चों की बहुत-सी विशेषताएँ बताई गई हैं। भारत के बच्चे तूफानों के सामने भी नहीं रुकने वाले हैं। वे साहसी और दिल के मजबूत बच्चे हैं। अपने से टक्कर लेने वालों को वे सबक सिखाते हैं; बच्चे छोटे हैं पर काम बड़े करते हैं। बच्चे बड़ी-बड़ी बाधाओं से बिलकुल भी नहीं डरते बल्कि ऐसी बाधाओं से लड़कर वे नई राहें बनाते हैं तथा भारत माँ के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार हैं। बच्चे

समाज के दीन-हीन लोगों की मदद करके उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना चाहते हैं।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के सरलार्थ लिखिए–

(क) प्रस्तुत पंक्तियों का सरलार्थ इस प्रकार है कि भारत के बच्चे कह रहे हैं कि कोई भी उन्हें छोटा न समझे। उनमें बहुत साहस है और वे दिल के भी मजबूत हैं; केवल शरीर से ही वे कमजोर दिखते हैं।

(ख) कविता की प्रस्तुत पंक्तियों का सरलार्थ यह है कि भारतीय बच्चे कह रहे हैं कि वे बड़ी-बड़ी बाधाओं से भी बिलकुल नहीं डरने वाले। अपने मार्ग में आने वाली चट्टान रूपी बाधाओं को तोड़-फोड़कर अर्थात उन बाधाओं से लड़कर तथा उन्हें अपने मार्ग से हटाकर वे नए रास्ते बनाएँगे।

व्याकरण-ज्ञान

1. वचन बदलो–

राह–राहें	बाधा–बाधाएँ	पुतला–पुतले
बच्चा–बच्चे	चट्टान–चट्टानें	अभिलाषा–अभिलाषाएँ

2. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए उचित विशेषण का प्रयोग कीजिए–

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
शैतान	बच्चे	महान	भारत
दुर्बल	तन	बड़ी	चट्टान

3. 'ज़' और 'फ़' के तीन-तीन शब्द लिखिए–

ज़रा	ज़मीन	नज़र
तरफ़	सिर्फ़	साफ़

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) ट् + अ + क् + क् + अ + र् + अ

(ख) म् + उ + न् + न् + ए

(ग) द् + उ + ब् + अ + ल् + ए

(घ) प् + ऊ + र् + ण् + अ

(ङ) ब् + अ + च् + च् + ए

13 अब्दुल कलाम

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) 15 अक्टूबर, 1931 (ख) (अ) हूवर मेडल

(ग) (स) 27 जुलाई, 2015

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) वितरण (ख) वायुसेना

(ग) वैज्ञानिक सलाहकार (घ) मिसाइल

(ङ) प्रख्यात

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) डॉ0 अब्दुल कलाम का जन्म मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। इनके पिता नियमों के पक्के और उदार स्वभाव के इंसान थे जो कि पाँच वक्त के नमाज़ी थे।

(ख) कलाम की लगन और मेहनत के कारण उनकी माँ उनका विशेष ध्यान रखती थीं।

(ग) डॉ0 कलाम ने भारत को 'सुपर पॉवर' बनाने के लिए 11 मई और 13 मई, 1998 को सफल परमाणु परीक्षण किया।

(घ) अग्नि की उड़ान, इग्नाइटेड माइंडस

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) अब्दुल कलाम के पिता अपनी नाव मछुआरों को किराये पर देकर घर का गुजारा चलाते थे। बालक अब्दुल कलाम को अपनी आरंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए घरों में अखबार वितरण करने का कार्य करना पड़ा। जब वह आठ-नौ वर्ष के थे तभी से उन्होंने अखबार वितरण करने का कार्य शुरू कर दिया था। वह सुबह चार बजे सोकर उठते और सबसे पहले गणित की ट्यूशन के लिए जाते। वहाँ से पाँच बजे लौटने के बाद वह अपने पिता के साथ नमाज पढ़ते, फिर घर से तीन किलोमीटर दूर धनुष

कोड़ी रेलवे स्टेशन से अखबार लाकर पैदल घूम-घूमकर बेचते। आठ बजे तक वह अखबार बेचकर घर लौटते। उसके बाद तैयार होकर वह स्कूल जाते। स्कूल से लौटने के बाद शाम को वह अखबार के पैसे लेने के लिए जाते थे। इन कारणों से अब्दुल कलाम का विद्यार्थी जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा।

(ख) अब्दुलकलाम ने प्राइमरी स्कूल के बाद श्वाट्र्ज हाईस्कूल, रामनाथपुरम में प्रवेश लिया। वहाँ की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने 1950 में सेंट जोसेफ कॉलेज, त्रिची में प्रवेश लिया। वहाँ से उन्होंने भौतिकी और गणित विषयों में बी. एस. सी के उपरांत अपने अध्यापकों की सलाह पर स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम. आई. टी.) चेन्नई का रुख किया। वहाँ पर उन्होंने अपने सपनों को साकार करने के लिए एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

(ग) डॉ0 कलाम जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव थे। उन्होंने भारत को 'सुपर पॉवर' बनाने के लिए 11 मई और 13 मई, 1998 को सफल परमाणु परीक्षण किया। इस प्रकार भारत ने परमाणु हथियार के निर्माण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण सफलता अर्जित की।

(घ) इसरों में स्वदेशी क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से 'उपग्रह प्रक्षेपण यान कार्यक्रम' की शुरुआत हुई। कलाम की योग्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें इस योजना का प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए एक भरोसेमंद प्रणाली का विकास एवं संचालन करना था। कलाम ने अपनी कड़ी मेहनत से इस योजना को भली-भाँति अंजाम तक पहुँचाया तथा जुलाई 1980 में 'रोहिणी' उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा। इस मिसाइल को बनाने में उन्होंने कड़ी मेहनत की, जिस वजह से उन्हें मिसाइल मैन कहा गया।

(ङ) विज्ञान के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए अब्दुल कलाम को भारत के नागरिक सम्मान के रूप में 1981 में 'पदम विभूषण', 1997 में 'भारत रत्न' तथा 1990 में 'पदम विभूषण' से सम्मानित किया गया। 2007 में उन्हें भारत में वैज्ञानिक प्रगति में उनके योगदान के लिए यूनाइटेड किंगडम द्वारा ''किंग चार्ल्स द्वितीय पदक'' से सम्मानित किया गया था। 2009 में उन्हें, ''हूवर मेडल'' से सम्मानित किया गया। यह एक अमेरिकी

सम्मान है जो पाठयेतर प्रयास करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति को दिया जाता है।

व्याकरण–ज्ञान

1. संधि कीजिए–

विद्या + अर्थी–विद्यार्थी	सम् + चालन–संचालन
सम् + घर्ष–संघर्ष	सम् + युक्त–संयुक्त
राज + नीति–राजनीति	सम् + मान–सम्मान
निः + मान–निर्माण	पुरः + कार–पुरस्कार

2. अब्दुल कलाम के लिए पाठ में प्रयोग किए गए सर्वनाम शब्दों को लिखिए।

इनका, इनके, वह, उन्होंने, उनकी, अपने, उन्हें, उनके, अपनी।

3. पाठ में आए 'र' के विभिन्न प्रयोगों के शब्दों की सूची बनाइए उदाहरण देखिए–

रामेश्वरम	**प्रतिदिन**	**राष्ट्र**	**दृष्टिगत**	**आर्थिक**
र	⸝	^	ᶜ	ʿ
रोटियाँ	प्रेक्षण	राष्ट्रपति	दृष्टिकोण	महत्वपूर्ण
डॉक्टर	प्रकार		समृद्ध	संघर्षपूर्ण
रेलवे स्टेशन	प्रतिभा		उत्कृष्ट	वर्ष
पुरस्कार	ग्रहण			कार्य

14 झाँसी की रानी

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) सिंहासन (ख) (ब) कानपुर के नाना साहब

(ग) (ब) गंगाधर राव (घ) (स) ह्यूरोज

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) नकली युद्ध करना, व्यूह की रचना करना, किले तोड़ना और शिकार करना लक्ष्मीबाई के प्रिय खेल थे।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति का अर्थ है कि जब लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव से हुआ तब ऐसा लग रहा था कि भगवान शिव से स्वयं भवानी का मिलाप हुआ हो।

(ग) जब निःसंतान राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गई तो झाँसी का दीपक बुझ गया था।

(घ) अंग्रेजों ने भारत के कई हिस्सों पर अधिकार कर लिया था, जिनमें प्रमुख हैं– दिल्ली, लखनऊ, बिहार, नागपुर, तंजौर, सतारा, कर्नाटक, सिंध, पंजाब, मद्रास आदि।

(ङ) सुभद्राकुमारी चौहान ने लक्ष्मीबाई को मर्दानी इसलिए कहा है क्योंकि उनमें वीरता, साहस, हिम्मत, ताकत, युद्ध कौशल, घुड़सवारी, तलवारबाजी ये सभी मर्दों वाले गुण विद्यमान थे।

(च) एक साथ बहुत सारे दुखों का आना, जैसे अचानक से राजा का देहांत, झाँसी के किसी वारिस का न होना, दूसरे मुल्कों के षड्यंत्र आदि कारणों ने रानी को रोने पर मजबूर कर दिया।

(छ) अंग्रेजों के कुचक्र के विरुद्ध रानी ने अपनी वीरता का परिचय अंग्रेजों से लड़कर दिया। अंग्रेजों ने यह नीति बना रखी थी कि जिस भी राज्य का राजा संतानहीन मरेगा, उस पर ब्रिटिश सरकार अपना अधिकार कर लेगी, परंतु रानी ने इसका विरोध किया और उनके अधीन रहना स्वीकार नहीं किया। अपनी अंतिम साँस तक भी वह अंग्रेजों के आगे झुकी नहीं।

(ज) नाना धुंधूपंत, ताँतिया टोपे, चतुर अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह और सैनिक अभिराम आदि वीरों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी कुर्बानी दी।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) रानी के विधवा होने पर डलहौजी इसलिए प्रसन्न हुआ क्योंकि उसे झाँसी का राज्य हड़पने का अवसर मिल गया था। उसने तुरंत अपनी सेनाएँ भेजकर वहाँ अंग्रेजी झंडा फहरा दिया। इस प्रकार झाँसी के राज्य का वारिस ब्रिटिश राज्य बन गया।

(ख) भारतवासी झाँसी की रानी के बलिदान के लिए उनके कृतज्ञ हैं। रानी की वीरता और साहस के लिए भारतवासी उन्हें हमेशा याद रखेंगे।

(ग) लक्ष्मीबाई को साक्षात् दुर्गा का अवतार इसलिए कहा है क्योंकि जैसे देवी दुर्गा ने राक्षसों का वध किया वैसे ही लक्ष्मीबाई ने भी अंग्रेजों का सामना किया और अपनी आखिरी साँस तक उनसे लड़ती रहीं।

(घ) झाँसी की रानी के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि आजादी स्वयं में एक मूल्यवान वस्तु है। इसको बनाए रखने के लिए हमें कोई भी कीमत चुकानी पड़े, हमें पीछे नहीं हटना चाहिए और देश के लिए मर मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, साहस, दृढ़ निश्चय नारी आदि की प्रेरणा ले सकते हैं।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए–

(क) प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साहस और बलिदान का वर्णन किया है कि अंग्रेजों के बढ़ते अत्याचार के खिलाफ और स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए भारत के राजाओं में हलचल हुए जिससे सिंहासन हिल गए। राजवंश अंग्रेजों पर गुस्सा हो गए। गुलामी की जंजीर में जकड़े जर्जर बूढ़े भारत में फिर से नये जोश का संचार हुआ। सभी राजा अपनी खोई हुई आजादी का मूल्य समझने लगे थे इसलिए उन्होंने फिरंगी अर्थात अंग्रेजों को भारत से भगाने का निश्चय कर लिया था।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने वर्णन किया है कि वीरांगना छबीली का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ तब वह रानी लक्ष्मीबाई बनकर झाँसी आ गई। राजमहल में बधाई के बाजे बजने लगे और खुशियाँ छा गईं। मानो वह झाँसी में वीर बुंदेलों की कीर्ति बनकर आ गई हो।

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ है कि जिन राजाओं के राजपाट छिन गए थे उनकी रानियाँ राजनिवासों में रो रही थीं और जिन नवाबों की रियासतें छिनीं उनकी बेगमें भी बहुत दुखी थीं। उनके बहुमूल्य कपड़े और गहने कलकत्ता के बाजार में बिक रहे थे। अंग्रेजी अखबार नीलामी की खबरें सबके बीच पहुँचा रहे थे। नागपुर के जेवर और लखनऊ के प्रसिद्ध नौलखे हार बाजारों में बिक रहे थे।

व्याकरण-ज्ञान

1. कविता में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के लिए प्रयुक्त किए गए विशेषणों को लिखिए।

अकेली, मर्दानी, विजयी, अमिट

2. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

(क) (क्रोधित होना) – कक्षा में शोर होते देख अध्यापक की भृकुटी तन गई।

(ख) (आय से अधिक व्यय) – लोग सांसारिक दिखावे की वजह से चादर से बाहर पैर पसार रहे हैं।

(ग) (बुरी तरह हार जाना) – विश्वयुद्ध में कई देशों को मुँह की खानी पड़ी।

(घ) (बहुत खुश होना)– अपना खोया हुआ सामान पाकर चाची जी पुलकित हो गई।

3. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) वार	–	दिन, दिवस	–	आज सोमवार है।
	–	हमला	–	वानर सेना ने राक्षसों पर वार किया।
(ख) आम	–	एक फल	–	आम रसीले होते हैं।
	–	साधारण	–	आम जनता के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए हैं।
(ग) हार	–	पराजय	–	खेलों में हार-जीत होती रहती है।
	–	गले में पहने जाना वाला आभूषण	–	मीना का सोने का हार चोरी हो गया।
(घ) विधि	–	तरीका	–	पंडित जी ने पूजा की विधि बता दी है।
		कानून	–	दोषी को विधि के नियमानुसार सजा दी गई है।

4. ऊपर लिखित वाक्यांशों में 'की', 'के', 'का' दो संज्ञाओं का संबंध बताते है। यह संबंध कारक कहलाते हैं।

ऐसे ही कुछ अन्य पाँच उदाहरण लिखिए। (उदाहरण पाठ से अतिरिक्त होने चाहिए।)

लखनऊ के नवाब, दिल्ली की इमारतें, भारत के सैनिक, हिमाचल के पर्वतीय स्थल, गंगा नदी का जल।

15 काकी

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) कोहराम (ख) (स) एक पतंग (ग) (ब) श्यामू को तमाचे मारे

2. सही कथन के सामने 'सत्य' तथा गलत के सामने 'असत्य' लिखिए–

(क) असत्य (ख) असत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) श्यामू के घर के सब लोग विलाप इसलिए कर रहे थे क्योंकि श्यामू की (माँ) काकी का निधन हो गया था।

(ख) श्यामू प्रायः अकेला बैठा-बैठा आकाश की ओर देखा करता था।

(ग) भोला सुखिया दासी का लड़का था और श्यामू का समवयस्क साथी था। श्यामू ने एक पतंग और डोर मँगवाने के लिए उसे चवन्नी दी।

(घ) श्यामू ने दूसरे दिन विश्वेश्वर के कोट से एक रुपया निकाला। उसने दो रस्सियाँ मँगवाने के लिए एक रुपया निकाला।

(ङ) भोला ने विश्वेश्वर की डाँट से डरकर उसे बताया कि श्यामू भैया ने रस्सी और पतंग मँगाने के लिए एक रुपया निकाला था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) जब लोग श्यामू की मृतक माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे तो यह देखकर उसने उपद्रव मचाया। उसे रोकने के लिए एक दासी उसे घर पर ही सँभाले रही तथा उसे विश्वास दिलाया गया कि उसकी माँ उसके मामा के घर गई है।

(ख) श्यामू की माँ के निधन के बाद उसे विश्वास दिलाया गया कि उसकी माँ उसके मामा के पास गई है। परंतु माँ के निधन की बात ज़्यादा समय तक

श्यामू से छिपी न रह सकी। आस-पास के कुछ अबोध बालकों ने उसे यह बता दिया कि उसकी माँ कहीं नहीं गई बल्कि राम जी के यहाँ गई है अर्थात उनकी मृत्यु हो गई है।

(ग) श्यामू ने पतंग इसलिए मंगवायी थी क्योंकि वह पतंग को राम जी के पास भेजना चाहता था ताकि उसकी माँ उसे पकड़कर नीचे आ जाए।

(घ) पतंग के लिए रस्सियाँ इसलिए मँगवायी गईं क्योंकि भोला ने श्यामू से कहा कि पतंग की डोर पतली है। काकी उसे पकड़कर नीचे नहीं उतर सकती। इसके टूट जाने का डर है। यदि पतंग में मोटी रस्सी होगी तो सब ठीक हो जाएगा। श्यामू यह सुनकर गंभीर हो गया और उसने रस्सियाँ मँगवायीं।

(ङ) विश्वेश्वर के उग्र रूप में आने का कारण यह था कि उन्हें पता लग गया था कि उनके कोट की जेब से किसी ने रुपया निकाला है। उन्होंने गुस्से में श्यामू को तमाचे लगा दिये और बहुत डाँटा भी। सत्य जानने के बाद वह हतबुद्धि वहीं खड़े रहे और फटी हुई पतंग उठाकर देखी। उस पर चिपके हुए कागज पर लिखा था-काकी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशित कालानुसार बदलिए :

(क) घर भर में कुहराम मचा हुआ था।

(ख) विश्वेश्वर अन्यमनस्क रहते हैं।

(ग) श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कंठित होगा।

(घ) पतंग ठीक उन्हीं के पास पहुँच गयी।

(ङ) तुझे आज अच्छी तरह समझाऊँगा।

2. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) बुद्धिमान	(ख) उपद्रव	(ग) करुण
(घ) आद्रता	(ङ) पतंग	(च) रुदन

3. 'ता' प्रत्यय तथा 'प्र' उपसर्ग का प्रयोग कर पाँच-पाँच शब्द लिखिए–

'ता' प्रत्यय	**'प्र' उपसर्ग**
कुशलता	प्रगति
सफलता	प्रबल

मित्रता	प्रभाव
अधिकता	प्रकृति
प्रसन्नता	प्रचार

16 मुक्ति

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) चिड़िया का (ख) (ब) चिड़ियाँ

(ग) (ब) लेखक के छोटे बेटे ने

2. सही के सामने 'सत्य' तथा गलत के सामने 'असत्य' लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(क) चिड़िया के गृह-प्रवेश का सिलसिला अक्टूबर-नवंबर माह में शुरू होता है।

(ख) घर की औरतें चिड़िया को बाहर निकालने के लिए बार-बार उसका सामान उठा, खिड़की से बाहर फेंक देती हैं और कुछ क्षण के लिए निश्चिंत होकर फिर से अपने कामकाज में डँट जाती हैं।

(ग) चिड़िया की बेचैनी, सरलता और आत्मीयता को देखकर लेखक करुणा और दुलार से भर गया।

(घ) खिड़की के अंदर बंद बदहवास चिड़िया अंदर चक्कर लगाती, चीं..... चीं.... करती और फिर बंद खिड़की के काँच पर चोंच मारने लगती।

(ङ) लेखक अपने छोटे बेटे को छत पर इसलिए ले गया क्योंकि वहाँ उसने अपने बेटे के हाथ में पत्थर देते हुए उसे असरानी के घर की खिड़की का काँच तोड़ने के लिए कहा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) चिड़िया अपने लिए दीवार पर टँगी किसी पेंटिंग के पीछे, अलमारी के ऊपर, बुकशेल्फ के अंदर, बाथरूम और ड्रेसिंग टेबल की आजू-बाजू जगह खोजती है।

(ख) लेखक ने चिड़िया को मालकिन इसलिए कहा है क्योंकि वह चीं...... चीं की आवाज करते हुए और अपनी पूरी चपलता के साथ घर में घुस आती है और दीवार पर टँगी तस्वीर के पीछे, अलमारी के ऊपर, बाथरूम में और ड्रेसिंग टेबल के आजू-बाजू अपना घर (घोंसला) बनाना शुरू कर देती है। घर में यहाँ-वहाँ तिनके बिखरना शुरू हो जाता है और चिड़िया एक कमरे से दूसरे कमरे की ओर, रसोईघर से स्नानगृह तक समूचे घर में मालकिन की तरह उड़ती रहती है, फुदकती रहती है।

(ग) लेखक की पत्नी अपने घर के सामने वाले घर की खिड़की की ओर लगातार इसलिए देख रही थी क्योंकि सामने वाले फ्लैट की खिड़की पर शीशा लगा हुआ था। शीशे के इस ओर फ्रेम पर टिकी हुई एक चिड़िया थी, जो शीशे पर बार-बार चोंच मार रही थी। चोंच मारते समय चिड़िया का संतुलन बिगड़ जाता था परंतु वह पंख फैलाकर स्वयं को संतुलित करती और फिर शीशे पर चोंच से प्रहार करती।

(घ) लेखक ने अंदर बंद हुई चिड़िया और बाहर वाली चिड़ियों की व्यथा इस प्रकार प्रकट की है कि एक चिड़िया बाहर थी, मुक्त थी, मगर काँच की दीवार को तोड़ना चाहती थी। उसके प्रहार में आक्रोश था, गुस्सा था, झुँझलाहट और कड़वाहट थी। खिड़की के भीतर एक और चिड़िया थी, जो चारों ओर से बंद थी। बंद दरवाजों और बंद खिड़कियों में कैद थी, घिरी हुई भी असहाय और कुंठित-सी वह भी अंदर से काँच पर अपनी चोंच मार रही थी।

(ङ) खिड़की का काँच टूटते ही चिड़िया ने विस्मय में चारों ओर देखा और फिर एकदम आकाश में उड़ने लगी। एक लंबा चक्कर आकाश का लगाया। वह फिर खिड़की की चौखट तक गई, वहाँ अपने बच्चे के साथ चोंच मिलाई और उसे लेकर फिर आकाश के विस्तार में तैरने लगी। देखते-देखते चिड़ा भी इन दोनों के साथ उड़ान भरने लगा।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) जोर से हँसना– राहुल ने कक्षा में इतने चुटकुले सुनाए कि सभी छात्र ठहाके मारने लगे।

(ख) बुद्धि नष्ट हो जाना– हमारी दादी सठिया गई हैं इसलिए उनकी बातों का बुरा मत मानिये।

(ग) हार मान लेना – पाकिस्तानी सेना ने युद्ध के मैदान में भारतीय सेना के सामने हथियार डाल दिए।

2. पाठ में पुनरुक्त शब्दों और समान अर्थ वाले शब्द-युग्मों का प्रयोग हुआ है। पाठ में से प्रत्येक के उदाहरण चुनकर लिखिए–

पुनरुक्त शब्द-युग्म	समान अर्थ वाले शब्द-युग्म
बार-बार	भाग-दौड़
फिर-फिर	जाने-पहचाने
अपनी-अपनी	
अभी-अभी	
खड़ी-खड़ी	

3. नीचे लिखे शब्दों में 'आहट' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए, उदाहरण देखिए :

झुँझलाहट	फुसफुसाहट
सकपकाहट	गरमाहट
चहचहाहट	कड़वाहट
चिचियाहट	चिकनाहट

4. पाठ में प्राणीवाचक संज्ञा 'चिड़िया' (स्त्रीलिंग) और 'चिड़ा' (पुल्लिंग) का प्रयोग हुआ है तथा इसके साथ ही 'मादा चिड़िया' (स्त्रीलिंग) और 'नर चिड़िया' (पुल्लिंग) रूपों का भी प्रयोग हुआ है। इसी प्रकार, निम्नलिखित प्राणीवाचक संज्ञाओं का लिंग बदलिए :

नर भेड़–मादा भेड़	नर भालू–मादा भालू
नर कौआ–मादा कौआ	नर मच्छर–मादा मच्छर

5. निम्नलिखित वाक्यों को सामान्य पदक्रम में लिखिए–

(क) मेरा घर कैसा है?

(ख) चिड़िया को किसने बंद किया?

(ग) ज़रा ध्यान से तो देखो।

(घ) हम अब क्या कर सकते हैं?

(ङ) खिड़की का काँच तोड़ दो।